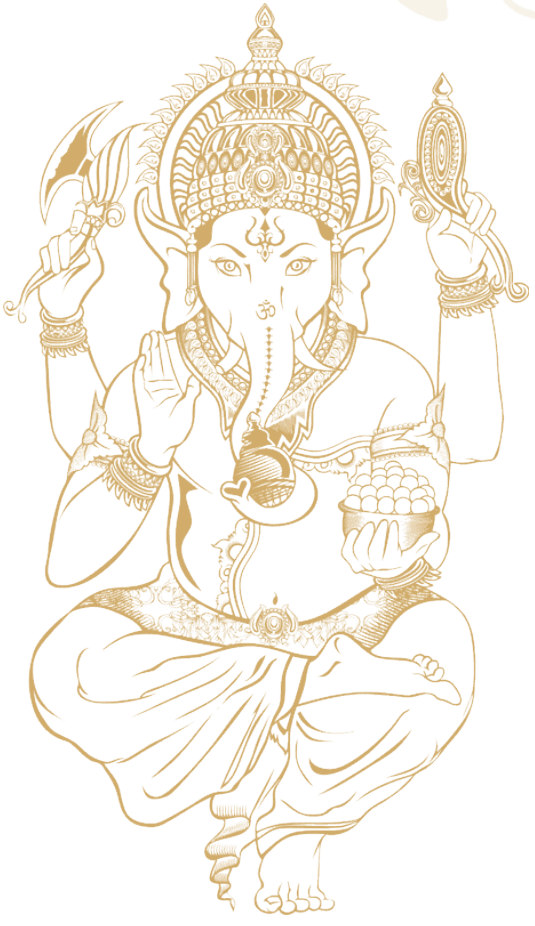

Vivek khalia

25 Feb 2007

07:30 PM

Jhunjhunu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121545302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/02/2007**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:30:00 घंटे**
इष्ट	31:21:09 घटी
स्थान	**Jhunjhunu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:05:00 उत्तर
रेखांश	75:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:02:00 घंटे
वेलान्तर	-00:13:09 घंटे
साम्पातिक काल	05:22:13 घंटे
सूर्योदय	06:57:32 घंटे
सूर्यास्त	18:25:07 घंटे
दिनमान	11:27:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	12:37:32 कुम्भ
लग्न के अंश	27:41:10 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	कौलव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:41:10	318:59:40	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	12:37:32	01:00:20	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	28:23:22	13:23:53	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	05:40:40	00:45:24	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध	व	अ	कुंभ	07:37:08	01:03:53	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	23:29:28	00:06:48	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मीन	11:15:11	01:13:43	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शनि	व		कर्क	26:30:14	00:04:35	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	22:14:34	00:00:37	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:14:34	00:00:37	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:15:40	00:03:25	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप			मक	26:10:39	00:02:12	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	04:41:19	00:01:06	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	27:21:49	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:30

लग्न-चलित

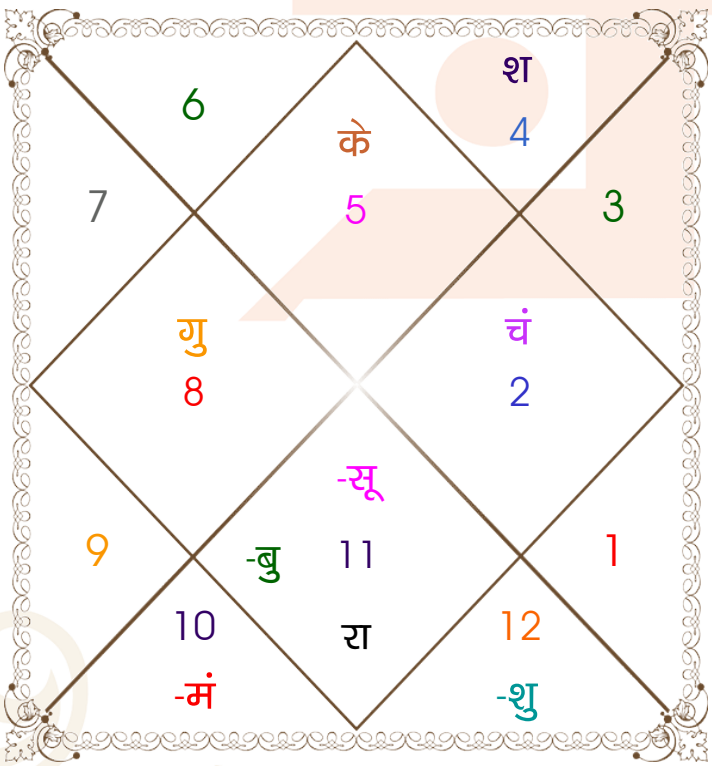

चन्द्र कुंडली

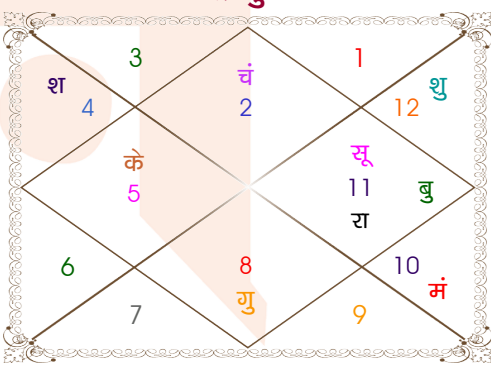

नवमांश कुंडली

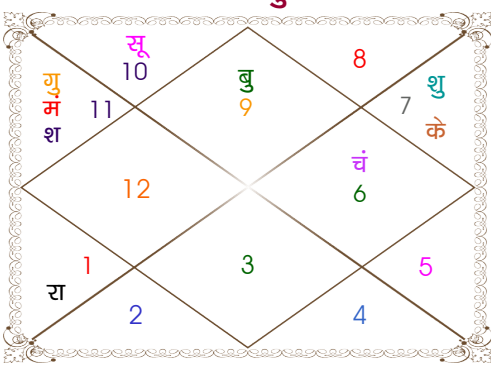

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 4 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
25/02/2007		02/07/2011		01/07/2029		01/07/2045		01/07/2064	
02/07/2011		01/07/2029		01/07/2045		01/07/2064		01/07/2081	
	00/00/0000	राहु	14/03/2014	गुरु	19/08/2031	शनि	04/07/2048	बुध	27/11/2066
	00/00/0000	गुरु	06/08/2016	शनि	02/03/2034	बुध	14/03/2051	केतु	25/11/2067
	25/02/2007	शनि	13/06/2019	बुध	06/06/2036	केतु	22/04/2052	शुक्र	25/09/2070
शनि	31/12/2007	बुध	31/12/2021	केतु	13/05/2037	शुक्र	22/06/2055	सूर्य	01/08/2071
बुध	27/12/2008	केतु	18/01/2023	शुक्र	12/01/2040	सूर्य	03/06/2056	चंद्र	30/12/2072
केतु	26/05/2009	शुक्र	18/01/2026	सूर्य	31/10/2040	चंद्र	03/01/2058	मंगल	28/12/2073
शुक्र	26/07/2010	सूर्य	13/12/2026	चंद्र	02/03/2042	मंगल	12/02/2059	राहु	16/07/2076
सूर्य	30/11/2010	चंद्र	13/06/2028	मंगल	05/02/2043	राहु	18/12/2061	गुरु	22/10/2078
चंद्र	02/07/2011	मंगल	01/07/2029	राहु	01/07/2045	गुरु	01/07/2064	शनि	01/07/2081

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/07/2081		01/07/2088		02/07/2108		02/07/2114		02/07/2124	
01/07/2088		02/07/2108		02/07/2114		02/07/2124		00/00/0000	
केतु	27/11/2081	शुक्र	31/10/2091	सूर्य	19/10/2108	चंद्र	03/05/2115	मंगल	28/11/2124
शुक्र	27/01/2083	सूर्य	31/10/2092	चंद्र	20/04/2109	मंगल	02/12/2115	राहु	16/12/2125
सूर्य	04/06/2083	चंद्र	01/07/2094	मंगल	26/08/2109	राहु	02/06/2117	गुरु	22/11/2126
चंद्र	03/01/2084	मंगल	31/08/2095	राहु	21/07/2110	गुरु	02/10/2118	शनि	26/02/2127
मंगल	31/05/2084	राहु	31/08/2098	गुरु	09/05/2111	शनि	02/05/2120		00/00/0000
राहु	19/06/2085	गुरु	02/05/2101	शनि	20/04/2112	बुध	01/10/2121		00/00/0000
गुरु	26/05/2086	शनि	02/07/2104	बुध	24/02/2113	केतु	02/05/2122		00/00/0000
शनि	05/07/2087	बुध	03/05/2107	केतु	02/07/2113	शुक्र	01/01/2124		00/00/0000
बुध	01/07/2088	केतु	02/07/2108	शुक्र	02/07/2114	सूर्य	02/07/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।